SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī (Saṅgama)

OCLC: 3195624

Volume 25, number 9 (Sep 1986)

TOC Supplied by: University of California, Berkeley

मधुमती

सितम्बर '86

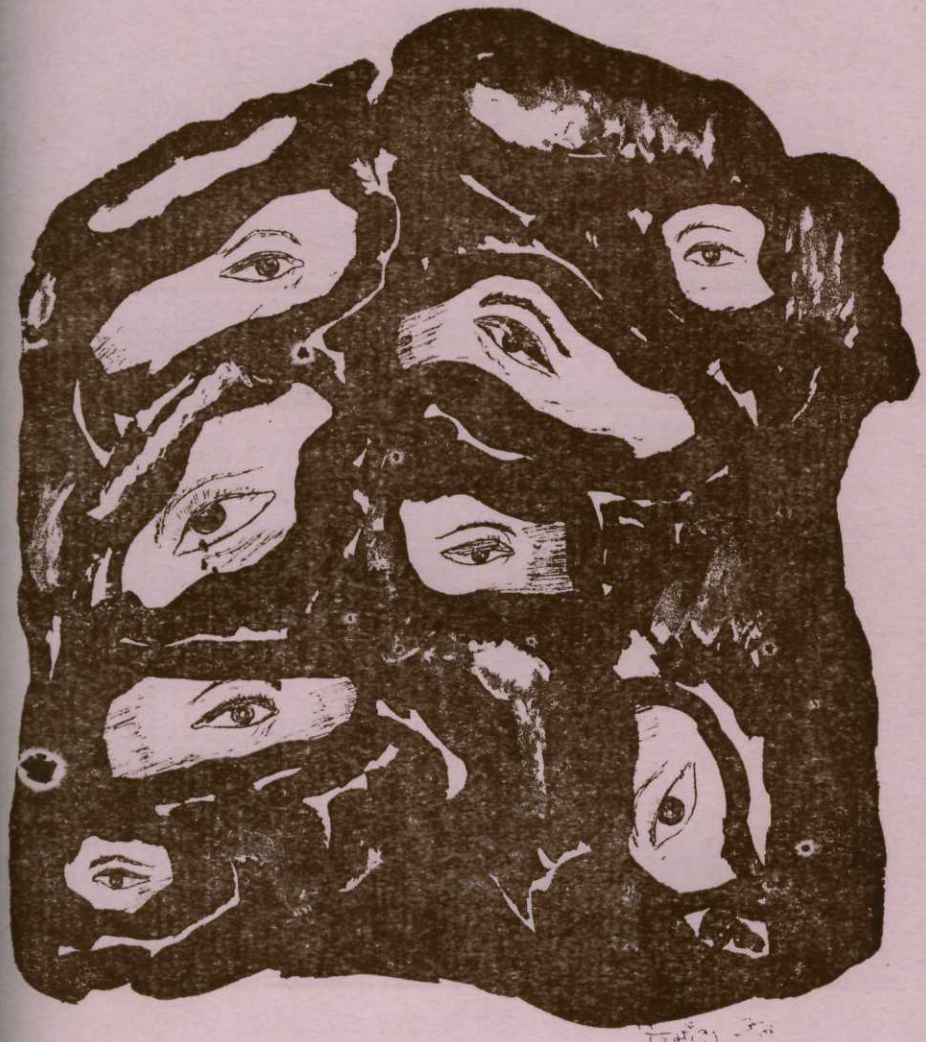

- ☐ कृष्ण कुमार शर्मा
- ☐ महावीर सिंह
- ☐ सावित्री डागा
- ☐ वासुदेव
- ☐ फूलचन्द 'मानव'
- ☐ सुरेश विमल
- ☐ रवीन्द्र शर्मा
- ☐ कन्हैयालाल सेठिया
- ☐ सुधेश
- ☐ चेतन स्वामी
- ☐ रेवतीरमण शर्मा
- ☐ सावित्री परमार
- ☐ सुधीर सुधि
- ☐ श्याम सुन्दर घोष
- ☐ विश्वंभरनाथ उपाध्याय
- ☐ मोहरसिंह यादव
- ☐ आरसु
- ☐ महेन्द्र भानावत
- ☐ भगवतीलाल व्यास

विशेषांकों की परम्परा में

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जन्मशती वर्ष पर शीघ्र प्रकाश्य

मधुमती

का

गुप्त जन्मशती विशेषांक

आज जिस सम्पन्न भाषा के हम उत्तराधिकारी हैं, उसे काव्य भाषा पद पर प्रतिष्ठित करने वाले गुप्तजी ही प्रथम कवि हैं । वे भारतीय संस्कृति के अनन्य प्रस्तोता रहे हैं और अपने काव्य के माध्यम से उन्होंने भारतीय जनमानस को बड़ी गहराई तक प्रभावित किया । भाषा के निर्माण, विकास तथा जीवन को समग्रता में ग्रहण करने की क्षमता वाले इस महाकवि के बहुआयामी कृतित्व को पुनर्व्याख्यायित एवं विश्लेषित करने की दृष्टि से इस विशेषांक में स्थायी महत्व की सामग्री दी जा रही है । विश्लेषण के कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु हैं—

० गुप्तजी की प्रासंगिकता ० स्वतन्त्रता आन्दोलन में गुप्तजी का योगदान ० खड़ी बोली के विकास और अभिवृद्धि में गुप्तजी का योग ० सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा ० वैष्णव भक्ति और गुप्तजी ० अबला जीवन के पक्षधर प्रवक्ता ० गुप्तजी और गांधीवाद ० गुप्तजी के नारी पात्र ० संस्मरण ० सामाजिक प्रतिबद्धता और गुप्तजी ० सामयिक संदर्भ और गुप्तजी ।

अपनी प्रति अभी से सुरक्षित कराइये

इस अंक का मूल्य 15) **नियमित ग्राहकों को मुफ्त**

सम्पर्क

राजस्थान साहित्य अकादमी,

हिरन मगरी, से. 4, उदयपुर-313001 (राज.)

सितम्बर '86
वर्ष 25, अंक–9

सम्पादक
प्रकाश आतुर

क्रम

लेख	:	समकालीन कविता और व्यवस्था विरोध/9/महावीरसिंह/ श्रीकांत वर्मा /20/ श्यामसुन्दर घोष /प्रतीकार्थ विज्ञान : साहित्य के सन्दर्भ में/26/ कृष्णकुमार शर्मा एवं रवीन्द्र शर्मा/ समकालीन कविता का द्वन्द्व : लेखिकाओं की भूमिका/44/ सावित्री डागा
टिप्पणी	:	हिन्दी की नव्य प्रगतिशील कविता/55/सुवेश
कहानी	:	खाटे का साग/61/मोहरसिंह यादव/महापाश/76/वासुदेव/ दंश/85/चेतन स्वामी
साक्षात्कार	:	नेपाली साहित्यकार गुरुंग से बातचीत/92/आरसु
कविता	:	बूंद होने का सुख/100/कन्हैयालाल सेठिया/यात्रा/100/ विश्वम्भरनाथ उपाध्याय /बाढ़/101/सुरेश विमल / अनाम डर/102/फूलचन्द मानव/वह लड़की/103/रेवतीरमण शर्मा पेट/103/ अशोक बांठिया /नहीं नहीं करते/104/ महेन्द्र भानावत/मन: स्थिति /104/ सरस्वती माथुर / सुबह की चिन्ता/105/सुधीर सुधि
पुस्तकें/पत्रिका	:	रचनात्मक हस्ताक्षरों का मूर्त्त वसीयतनामा/106/सावित्री परमार/बालहंस/116/भगवतीलाल व्यास
आवरण	:	हिमांशु जैन अजमेर